श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 62, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार, 7 अक्टूबर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

सीएम योगी के हस्तक्षेप पर बनी सहमति पीवीवीएनएल का निजीकरण टला

निजीकरण के विरोध में विद्युत कर्मचारी संगठनों का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार हुआ खत्म

लखनऊ। पूर्वांचल की विद्युत वितरण व्यवस्था के निजीकरण के विरोध में विद्युत कर्मचारी संगठनों का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्तक्षेप पर विद्युत कर्मचारी संगठनों के नेताओं के साथ वार्ता में ऊर्जा और वित्त मंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि निजीकरण का प्रस्ताव वापस लिया जाता है। अभियंताओं-कर्मचारियों को विश्वास में लिए बिना निजीकरण नहीं किया जाएगा।

दरअसल, पूर्वांचल विद्युत विरतण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के निजीकरण को लेकर निजीकरण के विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति और उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन ने प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ रखा था। प्रबंधन के साथ वार्ता विफल रहने पर पांच अक्टूबर यानी सोमवार से बिजलीकर्मियों ने अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया था। इससे सूबे के बड़े हिस्से की बिजली आपूर्ति लड़खड़ाने पर प्रदेशवासियों की दिक्कतें बढ़ती जा रही थीं। सोमवार देर रात तक ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा की मौजूदगी में प्रबंधन व नेताओं की वार्ता बेनतीजा रहने पर मंगलवार को भी बिजलीकर्मियों का कार्य बहिष्कार जारी रहा।

बिजली की आपूर्ति ठप होने से कई जगह स्थिति बिगड़ते देख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह ऊर्जा मंत्री और वरिष्ठ अफसरों की बैठक बुलाई। कार्य बहिष्कार समाप्त कराने के लिए मुख्यमंत्री ने एक तरह से कैबिनेट की उप समिति बनाते हुए ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा के साथ ही वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को नेताओं से बात करने के लिए कहा। दोपहर तीन बजे विधानभवन स्थित तिलक हाल में वित्त मंत्री ने संघर्ष समिति के पदाधिकारियों को वार्ता के लिए बुलाया। वार्ता में मुख्य सचिव आरके तिवारी, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा व कारपोरेशन के अध्यक्ष अरविन्द कुमार आदि भी शामिल हुए। पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन के नेताओं के साथ प्रबंधन की वार्ता शक्तिभवन मुख्यालय में हुई।

ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा की मौजूदगी में सोमवार को जिन बिंदुओं पर कर्मचारी नेता राजी थे, उन्हीं पर वित्त मंत्री के साथ बैठक में भी नेताओं ने सहमति जताई। चूंकि कारपोरेशन के अध्यक्ष अरविन्द कुमार ही सोमवार को उन सभी बिन्दुओं पर सहमति न जताते हुए हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं थे, इसलिए समझौते के एक बिंदु में बदलाव किया गया। पहले जहां अगले वर्ष 31 मार्च तक मंत्री, प्रबंधन व समिति द्वारा विद्युत व्यवस्था में सुधार की मासिक समीक्षा पर सहमति जताई गई थी, वहीं अब हुए समझौते में 15 जनवरी की तिथि रखी गई है।

इसके पीछे प्रबंधन की मंशा यह है कि यदि तीन माह में सुधार की स्थिति नहीं दिखेगी तो चालू वित्तीय वर्ष में ही 15 जनवरी के बाद निजीकरण की प्रक्रिया शुरू की जा सके। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया कि समझौते के मद्देनजर कार्य बहिष्कार को वापस लेने का निर्णय किया गया है। समझौते पर सहमति जताते हुए पावर एसोसिएशन के अवधेश वर्मा ने भी कहा कि उनका आंदोलन भी स्थगित किया जा रहा है।

ऊर्जा व वित्त मंत्री का आश्वस्त करना कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम व अन्य क्षेत्र के निजीकरण या विघटन के प्रस्ताव को वापस लिया जाता है। इसके अतिरिक्त किसी अन्य व्यवस्था का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। विद्युत वितरण निगमों की मौजूदा व्यवस्था में ही विद्युत वितरण में सुधार के लिए कर्मचारियों व अभियंताओं को विश्वास में लेकर राजस्व वसूली, बेहतर उपभोक्ता सेवा के लिए मन, वचन एवं कर्म से सार्थक प्रयास किए जाएंगे।

कर्मचारियों व अभियंताओं को विश्वास में लिए बिना उत्तर प्रदेश में किसी भी स्थान पर कोई निजीकरण नहीं किया जाएगा। वितरण के क्षेत्र को भ्रष्टाचार मुक्त करने, बिलिंग एवं वसूली का लक्ष्य हासिल करने तथा उपभोक्ताओं को संतुष्ट करने और विद्युत उपकेंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के कार्य में संघर्ष समिति, प्रबंधन का पूरी तरह सहयोग करेगी।

अगले वर्ष 15 जनवरी तक प्रतिमाह विद्युत वितरण के क्षेत्र में सुधार की कार्यवाही की ऊजार्मंत्री, प्रबंधन और संघर्ष समिति द्वारा मासिक समीक्षा की जाएगी। वर्तमान आंदोलन के कारण किसी भी कर्मी के खिलाफ दर्ज मुकदमे व अन्य उत्पीड़नात्मक कार्रवाई को बिना शर्त वापस लिया जाएगा।

निजीकरण की आड़ में रोजगार खत्म कर रही भाजपा सरकार : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव

लखनऊ, जेएनएन। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार निजीकरण की आड़ में रोजगार खत्म कर रही है। इस कारण 15 लाख विद्युतकर्मी हड़ताल पर चले गए। यूपी सरकार को यह प्रस्ताव वापस ले। विद्युत क्षेत्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से ही गड़बड़ी होनी शुरू हो गई है। साढ़े तीन वर्षों में एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ। विद्युत आपूर्ति गांव में लगभग 10 घंटा और शहरों में 15 घंटा से ज्यादा कभी नहीं मिल पाई।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार शासन चलाने के बजाय देश के साधनों-संसाधनों का बाजार लगा रही है। निजीकरण से वह युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बेचने में लगी है। इसके दुष्प्रभावों के बारे में भाजपा नहीं सोच रही है। उसे शासन चलाने में अपनी असफलता मान लेनी चाहिए। उसकी अपनी आर्थिक कुनीतियों के चलते अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। स्थिति उसके नियंत्रण में नहीं रह गई है। इसलिए वह जल्दी से जल्दी सरकारी सेवाओं को निजी हाथों में सौंप कर अपना राजनीतिक स्वार्थ साधन करते हुए बाहर निकलने का मौका चाहती है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार टोल, मंडी, आइटीआइ, पॉलीटेक्निक, सरकारी माल, हवाई अड्डा, रेल और बीमा कंपनियों के निजीकरण की दिशा में कदम उठा रही हैं। रेलवे अस्पतालों को बेचने के लिए टेंडर मांगे जा रहे हैं। सेवानिवृत्ति के बाद खाली पदों में 50 प्रतिशत पदों को समाप्त किए जाने का फैसला हो चुका है। सरकारी बैंकों की संख्या 12 से 5 करने की तैयारी है। सरकार बैंकों की हिस्सेदारी निजी क्षेत्र को बेचने की तैयारी कर रही है। देश में रोजगार की स्थिति पिछले 15 सालों में सबसे खराब है।

पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन ने सपा को सौंपा ज्ञापन : उत्तर प्रदेश पावर आफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को संबोधित ज्ञापन राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी को सौंपा। ज्ञापन में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के सरकारी निर्णय की खिलाफत है। निजीकरण कभी उपभोक्ता हित में नहीं रहा। विभाग को इससे नुकसान ही हुआ है। आगरा में टोरंटो कंपनी को काम सौंपा गया तो लगभग 22 सौ करोड़ रुपये पुराना बिजली का बिल उसने दबाकर रख लिया है। प्रतिनिधिमंडल में कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा के साथ उपाध्यक्ष एसपी सिंह, अतिरिक्त महासचिव अनिल कुमार, संगठन सचिव अजय कुमार तथा सचिव आरपी केन शामिल थे।

सांसदों और विधायकों को पुलिस का गिरफ्तार न करना गंभीर : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र। सुप्रीम कोर्ट ने मौजूदा व पूर्व सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों में पुलिस के उन्हें गिरफ्तार करने में अनिच्छा दिखाने या कोर्ट में पेश न करने को गंभीर मामला करार दिया है। सर्वोच्च अदालत ने चिंता जताते हुए कहा कि संसद और विधानसभा के सदस्यों के खिलाफ मामलों में पुलिस अधिकारी विधायिका के दबाव में आ जाते हैं। इसीलिए वह उनके खिलाफ मामलों पर कोई कार्रवाई करने से कतराते हैं।

जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान कहा कि हमें बताया गया है कि कई बार पुलिस आरोपित सांसदों या विधायकों के खिलाफ इसलिए कानूनी कार्रवाई नहीं कर पाते क्योंकि उनके ओहदे का उन पर गहरा दबाव होता है। जस्टिस रमना ने यह भी कहा कि कई हाई कोर्ट उनसेलंबित मामलों की सुनवाई के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा की मांग कर रहे हैं।खंडपीठ में शामिल जस्टिस सूर्यकांत और अनिरुद्ध बोस ने भी विभिन्न हाई कोर्ट की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि हाई कोर्ट के जरिये सांसदों व विधायकों के खिलाफ नए लंबित मामलों का ब्योरा मिल रहा है। राज्यों को वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा से बहुत से लंबित मामलों का जल्द निपटारा हो सकेगा।

इस मामले में न्याय मित्र नियुक्त किए गए वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने कहा कि निगरानी के बावजूद हाई कोर्टों में पूर्व व वर्तमान विधायकों और सांसदों के खिलाफ लंबित मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि हाई कोर्ट इन का जल्द से जल्द निपटारा करें। मामले में याचिकाकर्ता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने खंडपीठ से आग्रह किया कि गंभीर अपराधों में आरोपित विधायकों और सांसदों के खिलाफ आजीवन प्रतिबंध लगाया जाए। पहले सर्वोच्च अदालत को बताया गया है कि मार्च, 2020 तक ऐसे लंबित मामलों की संख्या 4442 हो चुकी है।

कोरोना संक्रमण के नए मामलों में गिरावट जारी, 56 लाख लोग हुए ठीक

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना संक्रमण के नए मामलों में लगातार गिरावट आ रही है। बीते 24 घंटों के दौरान 61,267 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, महामारी को मात देने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। इस दौरान 75 हजार से अधिक मरीज ठीक हुए हैं और रोगियों के ठीक होने की दर बढ़कर 84.70 फीसद पर पहुंच गई है, जबकि मृत्युदर गिरकर 1.55 प्रतिशत पर आ गई है। नए मरीजों और ठीक हुए मरीजों के बीच 15 हजार का अंतर है।

आयुर्वेद से कोरोना के इलाज को मिली हरी झंडी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। कोरोना का इलाज अब पूरी तरह से आयुर्वेद और योग से हो सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसके लिए विस्तृत गाइडलाइंस और प्रोटोकॉल जारी किया है, लेकिन इस प्रोटोकॉल के तहत कोरोना के सिर्फ माइल्ड और मोडेरेट केसों का ही इलाज किया जा सकेगा। गंभीर मामलों में कोरोना के मरीजों को एलोपैथिक इलाज के लिए कोविड अस्पताल में भेजना अनिवार्य किया गया है। प्रोटोकॉल जारी करते हुए स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि कोरोना मरीजों के इलाज में ट्रायल के दौरान आयुर्वेदिक दवाओं और योग के प्रामाणिक रूप से प्रभावी पाए जाने के बाद इसे औपचारिक रूप से इलाज में शामिल करने का फैसला किया गया।

विशषज्ञों की टीम ने इसके लिए प्रोटोकॉल तैयार किया है।प्रोटोकॉल में विस्तार से बताया गया है कि मरीजों को कौन-कौन सी आयुर्वेदिक दवाएं कितनी मात्रा में कितनी बार देनी हैं। इसी तरह से मरीजों के लिए योग के जरूरी आसनों के बारे में भी बताया गया है। नीति आयोग के सदस्य और कोरोना पर बनी टास्क फोर्स के प्रमुख डॉ. वीके पॉल के अनुसार, प्रोटोकॉल तैयार हो जाने के बाद देश के सभी आयुर्वेदिक अस्पतालों में कोरोना मरीजों का एक समान प्रामाणिक इलाज सुलभ हो सकेगा। आयुर्वेदिक डॉक्टर किसी माइल्ड या मोडरेट मरीज को होम आइसोलेशन के दौरान इन दवाओं को दे सकते हैं।

सबसे बड़ी बात यह है कि बाजार में सामान्य रूप से उपलब्ध आयुर्वेदिक दवाओं को मरीज खुद भी प्रोटोकॉल के मुताबिक इस्तेमाल कर सकता है।दरअसल, पहली बार सरकारी तौर पर आयुर्वेद और योग को किसी महामारी के इलाज के लिए आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई है। अभी तक आयुर्वेदिक डॉक्टर खुद अपने अनुभव के आधार पर आयुर्वेदिक फॉर्मूलों से मरीजों का इलाज कर रहे थे। इस में एकरूपता नहीं होने से कई तरह की भ्रांतियां पैदा हो रही थीं।

प्रोटोकॉल जारी होने के बाद सभी भ्रांतियों पर विराम लग जाएगा।कोरोना काल में इम्युनिटी बूस्टर के रूप में आयुर्वेदिक दवाइयां काफी सफल रही हैं। दिल्ली, पंजाब, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्य अपने पुलिसकर्मियों को इम्युनिटी बूस्टर के रूप में आयुर्वेदिक दवाएं मुफ्त में दे रहे हैं। इनकी बड़ी मात्रा में मांग को देखते हुए विभिन्न आयुर्वेदिक कंपनियां इम्युनिटी बूस्टर बना रही हैं। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि इम्युनिटी बूस्टर से कोरोना के इलाज तक आयुर्वेद कोरोना काल में अपनी अहमियत साबित करने में सफल रहा है।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से स्वतंत्रता के बाद आयुर्वेद पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया, फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके महत्व को देखते हुए इस पर ध्यान दिया। आयुष मंत्रालय ने प्रोटोकॉल दस्तावेज में रेखांकित किया कि मौजूदा ज्ञान कहता है कि कोरोना वायरस संक्रमण और महामारी को आगे बढ़ने से रोकने में अच्छी रोग प्रतिरोधक क्षमता मददगार है।

इस प्रोटोकॉल में कोरोना के बिना लक्षण और हल्के लक्षण वाले मरीजों को अब औपचारिक रूप से आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट दिया जाएगा। आपको बता दें कि अभी कुछ आयुर्वेदिक दवाओं को अनौपचारिक तौर पर मरीजों को दिया जा रहा था। ट्रायल के अच्छे नतीजे मिलने के बाद इस पर मुहर लगाई गई है।

सरकार ने कोविड -19 पर नियंत्रण के लिए आयुर्वेद और योग आधारित राष्ट्रीय क्लीनिकल प्रबंधन प्रोटोकॉल में लोगों को अश्वगंधा, गुडूची, पिप्पली आदि के सेवन और अनु तेल (अल्ल४ळी') के इस्तेमाल की सलाह दी है। हर्षवर्धन ने कहा कि आधुनिक समय में मेडिसिन की अपनी मजबूती है लेकिन आयुर्वेद देश का एक प्राचीन विज्ञान है, संभवतः सबसे पुरानी। प्रोटोकॉल में अधिक जोखिम वाले लोगों और रोगियों के संपर्क में आए लोगों के उपचार के लिए अश्वगंधा, गुडूची घनवटी और च्यवनप्राश जैसी औषधियों के उपयोग का सुझाव दिया गया है।

गौरतलब है कि दुनियाभर में कोरोना संक्रमितों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। विश्व में कोरोना वायरस से संक्रमित होने वालों की कुल संख्या 3 करोड़ 53 लाख से ज्यादा हो गई है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा बढ़कर 1,042,600 से अधिक हो गया है।

रिया और शौविक चक्रवर्ती को कोर्ट से नहीं मिली राहत, 20 अक्टूबर तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

मुंबई, एएनआइ। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत से जुड़े ड्रग केस में गिरफ्तार रिया चक्रवर्ती को अभी जेल में ही रहना होगा। स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट ने रिया चक्रवर्ती और शौविक चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत को 20 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बांबे हाई कोर्ट में रिया चक्रवर्ती की जमानत अर्जी का विरोध किया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। रिया को एनसीबी की लंबी पूछताछ के बाद नौ सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। रिया-शौविक के अलावा सैमुअल मिरांडा, दीपेश सावंत और ड्रग पैडलर बाशित परिहार की न्यायिक हिरासत भी 20 अक्टूबर तक बढ़ाई गई है। मामले में ड्रग एंगल की जाच कर रही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो अब तक 19 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। एनसीबी में अपने हलफनामों में रिया और शौविक को ड्रग सिंडिकेट का सक्रिय सदस्य बताया है।

जम्मू कश्मीर में आतंकी हमला, अंगरक्षक ने शहादत देकर बचाई भाजपा नेता और पत्नी की जान

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर। गांदरबल में मंगलवार रात आतंकियों ने भाजपा के जिला उपप्रधान गुलाम कादिर और उनकी पत्नी पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। भाजपा नेता के अंगरक्षक ने त्वरित कार्रवाई कर दोनों को बचा लिया और हमले में खुद घायल होने के बावजूद एक आतंकी को ढेर कर दिया। अंगरक्षक अन्य आतंकियों के आगे अड़ गया, उसकी ललकार देख अन्य आतंकी जान बचाते हुए भाग निकले। वहीं, घायल अंगरक्षक भी बाद में शहीद हो गया। सुरक्षाबलों ने भाजपा नेता के मकान के साथ सटे इलाकों की घेराबंदी कर व्यापक तलाशी अभियान चला रखा है।

जानकारी के अनुसार, सूर्यास्त के बाद रात करीब आठ बजे आतंकियों ने गांदरबल के नूनार इलाके में भाजपा नेता गुलाम कादिर पर हमला किया। गुलाम कादिर अपनी बीमार पत्नी को डॉक्टर के पास लेकर जा रहे थे। जब वह अपने घर के गेट पर पहुंचे तो आतंकी सामने आ गए। उन्होंने उन पर हमला कर दिया, लेकिन उनके अंगरक्षक पुलिस कांस्टेबल अल्ताफ हुसैन ने उन्हें बचाते हुए आतंकियों पर जवाबी फायर किया। इस दौरान कांस्टेबल गोली लगने से घायल होकर गिर पड़ा, लेकिन उसने आतंकियों पर जवाबी फायर जारी रखा। करीब पांच मिनट तक दोनों तरफ से गोलियां चली। इस दौरान एक आतंकी मारा गया और उसके अन्य साथी अपनी जान बचाते हुए भाग निकले।

गोलियों की आवाज सुनकर निकटवर्ती इलाके में गश्त कर रहे सेना और पुलिस के जवान भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने भाजपा नेता व उसके परिजनों की सुरक्षा का बंदोबस्त करते हुए घायल पुलिसकर्मी अल्ताफ हुसैन को अस्पताल पहुंचाने का बंदोबस्त किया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने शहादत पाई। इस बीच, सुरक्षाबलों ने मारे गए आतंकी का शव भी अपने कब्जे में ले लिया। साथ ही उन्होंने अन्य आतंकियों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया, जो देर रात तक जारी रहा।

गौरतलब है कि आतंकी हमले में बाल-बाल बचे भाजपा नेता गुलाम कादिर बीते माह सुर्खियों में आए थे जब उनपर किजौरा गांव में कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगा था। पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उन्हें हिरासत में भी लिया था।

मध्यप्रदेश: ऑक्सीजन न मिलने से उखड़ी उद्योगों की सांसें, अब उत्तर प्रदेश और ओडिशा से उम्मीद

भोपाल, जेएनएन। ऑक्सीजन नहीं मिलने से गोविंदपुरा और मंडीदीप के उद्योगों की सांसें उखड़ रही हैं। फार्मा और फेब्रिकेशन से जुड़े 600 से अधिक उद्योगों में बीते एक माह से ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं हुई है। काम ठप होने से ऑर्डर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। शासन-प्रशासन स्तर पर अब तक हुए प्रयास बेनतीजा निकले। अब उद्योगपति अपने स्तर पर ऑक्सीजन की जुगत लगा रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने उत्तर प्रदेश और ओडिशा में संपर्क किया है।

उप्र के मोदीनगर में आइनॉक्स कंपनी का बड़ा प्लांट है, उद्योगपति वहां से ऑक्सीजन टैंकर बुलाने प्रयासरत हैं। बता दें कि दोनों औद्योगिक क्षेत्र में सितंबर के पहले साह से ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं हुई है। मेडिकल आपातकाल को देखते हुए उद्योगों को ऑक्सीजन नहीं दी जा रही है। हालांकि, उद्योगपतियों ने कहा था कि उन्हें केवल 10 फीसद ऑक्सीजन की सप्लाई कर दी जाए, लेकिन ये मांग भी पूरी नहीं हुई है। गोविंदपुरा : यहां 1100 लघु उद्योगों में करीब 25 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। 600 से अधिक फार्मा और फेब्रिकेशन उद्योग ठप हैं। 100 करोड़ रुपये का प्रतिदिन नुकसान हो रहा है। ऑक्सीजन के लिए उद्योगपति व कर्मचारी रायसेन रोड पर चक्काजाम भी कर चुके हैं।

मंडीदीप : यहां नामी ट्रैक्टर कंपनियों व जीवनरक्षक दवा बनाने के बड़े कारखाने हैं। इनमें से 20 कारखाने बंद हो चुके हैं, जबकि 80 भी बंद होने की कगार पर हैं। प्रतिदिन 100 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। कुल 400 उद्योगों में 60 हजार से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं।

गोविंदपुरा इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने कहा कि उप्र व ओडिशा में ऑक्सीजन प्लांट है। वहां संपर्क साधा है। मोदीनगर उप्र स्थित आइनॉक्स कंपनी के प्लांट से जल्द ऑक्सीजन आ सकती है। फेडरेशन आफ मध्य प्रदेश चैंबर्स आफ कॉमर्स इंडस्ट्री के अध्यक्ष डॉ. आरएस गोस्वामी ने कहा, 'ऑक्सीजन नहीं मिलने से मंडीदीप, गोविंदपुरा, पीथमपुर समेत प्रदेश के सभी छोटे-बड़े औद्योगिक क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। ज्यादा असर गोविंदपुरा व मंडीदीप पर पड़ रहा है। सरकार से मांग की है कि जल्द ऑक्सीजन की सप्लाई बहाल करें।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज बुधवार, 7 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

श्रम कानून सुधार व निजीकरण संविधान के मूलभूत ढांचे के विपरीत : सोसल रिफार्म

प्रयागराज। सेन्टर फार कांस्टीट्यूशनल एण्ड सोसल रिफार्म के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता ए.एन त्रिपाठी ने केन्द्र सरकार के श्रम कानूनों में बदलाव को संविधान के लोक कल्याणकारी राज्य के मूलभूत ढांचे के विपरीत करार दिया है और कहा है कि लंबे संघर्ष के बाद मिले श्रमिकों के न्यूनतम वेतन व कार्य समयावधि में कटौती कर नियोजक की मर्जी पर छोड़ना शोषण व बंधुआ मजदूरी को उर्वरा शक्ति देना है। श्री त्रिपाठी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ऐसे ही संशोधन कानून को गुजरात मजदूर सभा केस में इसे अनुच्छेद 21 व 23 एवं लोक कल्याणकारी राज्य के विपरीत करार दिया है। कहा है कि हायर फायर रूल्स लागू करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। न्यूनतम वेतन व काम के समय अवधि खत्म करना श्रमिकों के शोषण को बढ़ावा देने वाला है। ऐसे ही फैसले देलही ट्रांसपोर्ट केस व सेन्ट्रल इनलैंड वाटर केस मे भी सुप्रीम कोर्ट ने मजदूरों के अधिकारों की रक्षा की है।

विद्युत आपूर्ति ठप, लाखों लोगों ने बिना बिजली बिताई रात,पानी के लिए मचा हाहाकार

जारी। जारी विद्युत उप केंद्र के बिजली कर्मचारियों की हड़ताल से आपूर्ति ठप होने के चलते सोमवार की रात से लेकर मंगलवार सुबह तक लोगों का जीना मुहाल कर दिया। विद्युत उपकेन्द्र जारी में देर रात उप जिलाधिकारी बारा गौरव रंजन श्रीवास्तव नायब तहसीलदार डॉ विशाल शर्मा के साथ जारी चौकी प्रभारी ने निरीक्षण किया। सुबह सात बजे से ग्यारह बजे तक आसपास के गाँवो में रहने वाले लाइनमैनों के घरों में ढूढा गया। किन्तु कोई लाइनमैन नहीं मिला। सभी लाइनमैन मोबाइल स्विच ऑफ कर गायब रहे।लोगों का कहना है कि अधिकारियों के दबाव में कोई भी लाइनमैन पावर हाउस पर आने और काम करने को तैयार नहीं है। नायाब तहसीलदार डॉ विशाल शर्मा ने

बिजली बहाल करने को जारी विद्युत उपकेन्द्र पर लगी लोगों को भीड़

कहा कि गन्ने से 33000 लाइन कहीं से फाल्ट है जो कि उस को दिखाया जा रहा है और फाल्ट मिलते ही लाइट को बहाल कर दी जाएगी लेकिन ऐसा सुबह से शाम तक नहीं हो पाया अधिकारी परेशान रहे सुबह से प्रयास किया। जा रहा है किन्तु पावर हाउस में जानबूझकर फाल्ट करने के कारण लाइन ट्रिप करने के बाद लाइन बाधित है

ग्रामीणों में चर्चा का विषय बना हुआ है कि जो स्थानी संविदा कर्मी हैं उनके द्वारा कहीं ना कहीं से लाइन को खराब किया जा रहा है और अधिकारी भी परेशान दिखे सोमवार दोपहर से अब तक लाइट नहीं है मौके में प्रशासन मौजूद ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली गुल होते ही उपकेन्द्र पर फोन घनघनाने लगे लेकिन बिजली कर्मियों के प्रदर्शन के चलते किसी का भी फोन रिसीव नहीं हुआ। कहीं पानी को लेकर हाहाकार मचा तो कहीं गर्मी से लोगों का हाल बेहाल हो गया। शाम होते-होते लोगों को पीने के पानी तक के लाले पड़ गए।

हाईकोर्ट समाचार

बाहुबली विधायक विजय मिश्रा की पत्नी रामलली को मिली अग्रिम जमानत, बेटे की नामंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बाहुबली विधायक विजय मिश्रा की पत्नी श्रीमती रामलली की सशर्त अंतरिम अग्रिम जमानत मंजूर कर ली है। किन्तु इनके बेटे बिष्णु मिश्र को अग्रिम जमानत देने से इंकार करते हुए अर्जी खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने सह अभियुक्तों की अर्जियो की सुनवाई करते हुए दिया है। राम लली को कोर्ट ने डेढ़ लाख रुपए के मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया है और कहा कि वह 7 अक्टूबर से एक हफ्ते तक रोज 11 बजे विवेचनाधिकारी के समक्ष हाजिर होगी और विवेचना में सहयोग करेगी। इसके बाद भी बुलाये जाने पर विवेचनाधिकारी के समक्ष पूंछतांछ के लिए हाजिर होगी। बिना कोर्ट की अनुमति विदेश नहीं जायेगी। यदि पासपोर्ट हो तो उसे सम्बंधित एसएसपी-एसपी के समक्ष जमा कर देगी। वह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पीड़ित पक्ष को धमकी या प्रलोभन नहीं देगी। कोर्ट ने कहा है कि शर्त उल्लंघन की दशा में इस कोर्ट में अंतरिम अग्रिम जमानत के विरुद्ध अर्जी दी जा सकती है। कोर्ट ने अर्जी पर राज्य सरकार से 4 हफ्ते में जानकारी मांगी है और अर्जी को सुनवाई के लिए 4 हफ्ते बाद पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सह अभियुक्त बिष्णु मिश्र को यह कहते हुए अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया है कि वह विवेचना में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उनके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। इसके खिलाफ पुनरीक्षण अर्जी खारिज कर दी गयी है। सारा व्यवसाय याची देख रहा है। एफआईआर दर्ज होने के बाद बैंक से पैसे निकाले हैं। पीड़ित पक्ष ने धमकी देने की शिकायत भी की है। ऐसे मे अग्रिम जमानत नहीं दी जा सकती। इनके खिलाफ संत रविदास नगर भदोही के गोपीगंज थाने में एफआईआर दर्ज करायी गयी है। गिरफ्तारी से बचने के लिए इन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली थी।

लोन भुगतान की शर्त पर बिल्डर विजयंत की जमानत मंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजू जे होम्स, आइडिया बिल्डर्स एवं रेड एप्पल रेजीडेन्सी के नाम से फ्लैट निमार्ता बिल्डर्स विजयंत जैन की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। बिल्डर व लोन देने वाली बैंक पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि. के बीच सहमति बनी और बिल्डर ने बकाया लोन एक करोड 35 लाख रुपए 30 नवम्बर तक अदा करने पर राजी हुआ तो कोर्ट ने डिमांड ड्राफ्ट व चेक लेकर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि यदि चेक का अनादर हुआ तो बैंकिग कंपनी को जमानत निरस्त कराने व वसूली करने की कार्यवाही का अधिकार होगा। बिल्डर 18 अप्रैल 20 से जेल में बंद है। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने दिया है। अर्जी पर वरिष्ठ अधिवक्ता सी.बी यादव व फ्लैट क्रेता धनेश कुमार सिंघल के अधिवक्ता आशीष कुमार सिंह ने बहस की। मालूम हो कि वसुन्धरा कालोनी गाजियाबाद के निवासी धनेश कुमार सिंघल ने विजयंत जैन से रामप्रस्थ कालोनी में फ्लैट खरीदा। कहा गया कि कोई लोन बकाया नहीं है। फ्लैट लेने के बाद फाइनेंस कंपनी ने सिंघल से लोन की अदायगी करने को कहा। वह फ्लैट की पूरी कीमत दे चुके थे। बिल्डर ने प्रोजेक्ट के लोन का भुगतान नहीं किया और फ्लैट बेचकर भाग गया तो सिंघल ने धोखाधड़ी के आरोप में बिल्डर जैन के खिलाफ इंद्रापुरम थाने में एफआईआर दर्ज करायी है। जिसमें उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। लोन अदा करने की शर्त के साथ कोर्ट ने बिल्डर की जमानत मंजूर कर ली है।

स्कोडा आटो वोल्सवेगन इंडिया के मालिकों की गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आज आडी ब्रान्ड की कारों में चीट डिवाइस लगाकर धोखाधड़ी करने के मामले में दर्ज प्राथमिकी के खिलाफ याचिका खारिज कर दिया। परन्तु याची को राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि याची विवेचना में पुलिस का सहयोग करेगा और उसकी गिरफ्तारी पर रोक दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 173 (2) में दाखिल पुलिस रिपोर्ट तक लगी रहेगी। यह आदेश जस्टिस बी अमित स्थालेकर व जस्टिस शेखर कुमार यादव की खंडपीठ ने स्कोडा आटो वोल्सवेगन इडिया प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने याचिका में दर्ज प्राथमिक को रद्द करने की मांग अस्वीकार कर याचिका खारिज कर दी है। परन्तु याची को राहत देते हुए पुलिस रिपोर्ट दाखिल होने तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। मामले के अनुसार याची कम्पनी मालिक के खिलाफ 10 जुलाई 2020 को प्राथमिकी आईपीसी की धारा 34, 471, 467, 468, 419, 420 व 406 के अन्तर्गत थाना नोएडा सेक्टर 20 गौतमबुद्ध नगर में दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसने कम्पनी के अधिकारिक एजेन्ट के मार्फत 7 आडी ब्रान्ड की कार करोड़ों रुपये में खरीदी। उसे बताया गया कि कम्पनी ने इन गाड़ियों में कोई चीट डिवाइस नहीं लगाई है। बाद में एनजीटी के आदेश 7 मार्च 19 से पता चला कि याची कम्पनी ने इन गाड़ियों में चीट डिवाइस लगा रखा है और इस कारण बहुत कम उत्सर्जन (एमिशन) है। ट्रिब्यूनल ने इस धोखाधड़ी के लिए याची पर 500 करोड़ का क्षतिपूर्ति व मुआवजा का आदेश दिया, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गयी है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा रखी है।

बिजली न मिलने से नहीं चले 110 नलकूप, पानी के लिए भटकते रहे लोग

प्रयागराज। बिजली कर्मचारियों की हड़ताल से आधे शहर की बिजली का गुल होना पानी की किल्लत का कारण बना। शहर में बिना बिजली के करीब 110 छोटे- बड़े नलकूप नहीं चलाए जा सके। सुबह तो किसी तरह काम चल गया लेकिन दोपहर होते-होते लोग बाल्टी डिब्बा लेकर भटकने लगे। हर तरफ से टैंकर की मांग की जाने लगी, लेकिन अलग-अलग क्षेत्रों में सुबह से शाम तक करीब 100 टैंकर पानी बारी-बारी से भेजा गया। टैंकरों से भेजा गया पानी भी लोगों की जरूरत पूरी नहीं कर सका। करेलाबाग इलाके में रोज की तरह दस टैंकरों से जलापूर्ति की गई।

हैलो लेखपाल साहब बिजली कब आएगी, बजती रही घंटी जवाब मिलता रहा लाइन मैन से बात करिए

घूरपुर। सोमवार से मंगलवार के दिन पूर्ण रूप से विद्युत कर्मियो द्वारा सप्लाई बाधित पर उपकेंद्रो पर तैनात लेखपाल की मोबाइल की घंटियां दिन रात बजती रही। लोग फोन कर पूछ रहे की हैलो लेखपाल साहब बिजली कब आएगी लेखपाल साहबों का जवाब मिलता कि मै क्या करू लाइन मैन से बात करिए ।मै कुछ नहीं कर पाऊंगा। ऐसे सैकड़ो लोगों के पहुंचे फोन से संबंधित लेखपाल दिन रात हैरान रहे। कईयों ने तो मोबाइल को ही स्विच आफ कर दिया।

बिजली कर्मियो के काम बंद कर हड़ताल पर विद्युत बाधित ना हो इसके लिए शासन के आदेश पर विद्युत उपकेंद्रो पर प्रशासन ने लेखपाल की तैनाती कर दी थी। हड़ताल के दौरान बिजली सप्लाई बंद हो जाने से जानकारी पर ग्रामीणों, बाजारवासियों ने घूरपुर के भीटा, गौहनिया, लालापूर, बारा स्थित उपकेंद्रो पर तैनात लेखपालों को लोग फोन कर बिजली आने की जानकारी लेते रहे लेकिन बिजली कब आएगी इसका सही जबाब देने में असमर्थ थे।यही नही लेखपालों की तैनाती की जानकारी पर लोग अपने इलाको के लेखपालों को भी फोन कर हैरान करते रहे। बेबस लेखापाल हैरान दिखे।

दिनभर गुल रही बिजली, शाम तक नहीं आई तकनीकी जानकारों की टीम

शंकरगढ़। बारा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सोमवार से ही चरमरा गई है। विद्युत कर्मचारियों की हड़ताल के कारण जैसे-तैसे काम चलाया जा रहा था। सोमवार की शाम उपजिलाधिकारी बारा ने प्रयास कर-के किसी तरह आपूर्ति चालू करवा दी थी, लेकिन लोकल फाल्ट की वजह से कुछ घंटे बाद ही आपूर्ति ठप पड़ गई। इससे शंकरगढ़ नगर पंचायत सहित समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली और पानी के लाले पड़ गए हैं। वहीं 24 घण्टे से भी अधिक समय से आपूर्ति बंद होने से ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है।

सोमवार रात भर बिजली नहीं आने से परेशान लोगों ने मंगलवार सुबह शिकायत की। इस पर उपजिलाधिकारी बारा गौरव रंजन श्रीवास्तव ने प्राइवेट तकनीकी

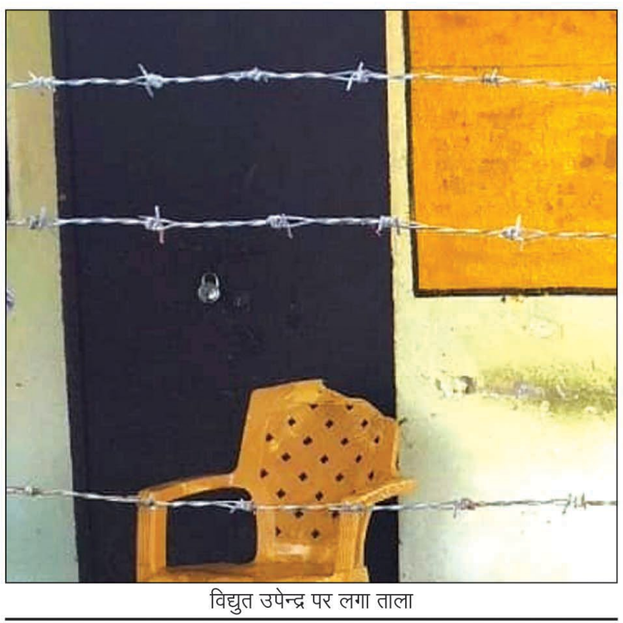

विद्युत उपेन्द्र पर लगा ताला

जानकारों की टीम को फाल्ट ठीक करने के लिए उपकेंद्र पर बुलाया, लेकिन शाम होने तक रामा इलेक्ट्रिकल की टीम शंकरगढ़ उपकेंद्र तक नहीं पहुंच पाई थी। दिनभर बिजली नहीं मिलने से लोगों के समक्ष पेयजल का संकट उत्पन्न हो गया है। बता दें कि शंकरगढ़ पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। यहां पर पेयजल आपूर्ति के लिए कई स्थानों पर ओवरहेड टैंक की स्थापना की गई है, लेकिन बिजली नहीं मिलने से सभी ओवरहेड टैंक ठप पड़े हैं। इसके अलावा जिन लोगों ने खुद के खर्चे से निजी इंतजाम भी किया है, वह भी बिना बिजली के बेकार पड़े हैं। लगातार आपूर्ति बंद होने से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। विद्युत सबस्टेशन शंकरगढ़ में दूसरे दिन पूरी तरह से सन्नाटा पसरा रहा।

जैविक खेती से समाप्त होगा कैंसर रोगः वासुदेव पटेल

प्रयागराज। केमिकल युक्त जहरीला खाद से पूरे देश के अन्दर कैंसर जैसी महामारी फैल रही है। देश के किसान भाई जैविक खेती करने लगे तो कैंसर समाप्त हो जाएगा। उक्त बातें मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद कार्यालय केसर भवन में किसानों को सम्बोधित करते हुए विहिप के केन्द्रीय मंत्री वासुदेव पटेल ने कही। उन्होंने कि गीर गोकृकृपा अमृतम में 40 से अधिक अलगकृअलग प्रकार के मित्र बैक्टीरिया हैं जो धरती में प्रवेश करके अपने आप फैलने लगते है। इनमें से कई बैक्टीरिया ऐसे हैं जो रोग नियंत्रक और कीट नियंत्रक का काम करते है। उन्होंने कहा कि किसानों की उदासीनता के चलते गौ माता बेसहारा बनकर दर दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर है। जहां केमिकल युक्त जहरीली खाद से पूरे देश के अंदर कैंसर जैसी महामारी फैल रही है, वही समाज को निरोगी बनाने वाली गौमाता बेसहारा बनकर दर-दर की ठोकरें खाने को विवश है। यदि किसान जैविक खेती प्रारंभ कर दें तो जहां कैंसर जैसी बीमारी का समूल नाश होगा और गौमाता किसानों के खूंटे पर ही रहेंगी ।

ट्रक व कार में भिड़ंत, एक की हालज नाजुक

नवाबगंज। कौड़िहार बाजार के समीप मंगलवार की भोर कार एवं ट्रक की टक्कर हो गई। जिसमें कार सवार आधा दर्जन लोग चोटहिल हो गए। जबकि घायलों में एक की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची एम्बुलसें द्वारा अस्पताल में दाखिल कराया गया है। घटना में दोनों वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना नवाबगंज इलाके के प्रयागराज-लखनऊ हाइवे मार्ग की है।

कार द्वारा रायबरेली जनपद निवासी नितिन कुमार अपने साथियों के साथ प्रयागराज की तरफ जा रहे थे। बताया जाता है कि जैसे ही वह कार से नवाबगंज थानाक्षेत्र के कौड़िहार बाजार के समीप पहुंचे कि कार एवं ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें कार सवार नितिन कुमार बुरी तरह से घायल हो गया। जबकि उसके साथियों में महेंद्र कुमार, राजेश कुमार, उदय राज एवं अवधेश को मामूली रूप से घायल हो गये। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचकर सूचना पुलिस एवं 108 एम्बुलेंस को दी। सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ईएमटी मोईन खान एवं पायलट मुकेश कुमार द्वारा उपचार के लिए सीएचसी कौड़िहार ले जाया गया। जहां घायलों का उपचार किया गया। घटना में घायल नितिन की हालत देख डॉक्टरों द्वारा सदर के अस्पताल में लिए रिफर कर दिया गया। घटना में कार एवं ट्रक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में क्षतिग्रस्त ट्रक व कार

विद्युत कर्मचारियों की हड़ताल के कारण बिजली आपूर्ति ठप

मऊआइमा। विद्युत को निजी हाथों में दिए जाने के विरोध में विद्युत कर्मियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल कर दी है । जिससे दो दिनों से बिजली आपूर्ति ठप पड़ा हुआ है। बिजली विभाग को निजी हाथों में दिए जाने के विरोध में विद्युत कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। जिससे पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप पड गयी है। इस उमस भरी गर्मी और ऊपर से बिजली आपूर्ति ठप पड जाने से लोग बेहाल हो गए हैं । सारी रात बिजली के गायब रहने से लोग रातभर करवटें बदलते रहे तथा ऊपर से मछरों के प्रकोप से लोगों की नींद उड गयी है। दिनभर उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल रहे। उधर बिजली के कारण पानी के लाले पड़ गए हैं। यही नहीं मोबाइल चार्ज करने के लिए लोग दर दर ठोकरें खा रहे हैं।

पावर हाउस पहुंचे विधायक, सुचारू कराई विद्युत आपूर्ति

हनुमानगंज। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड पीवीवीएनएल के निजीकरण को लेकर पावर कारपोरेशन प्रबंधन और बिजली कर्मियों के बीच दरार पड़ गई है। जिसको लेकर पिछले 2 दिनों से विद्युत कर्मी अनिश्चितकालीन के लिए प्रदेश व्यापी कार्य बहिष्कार किया है। जिसमें जनता पिस रही है। पिछले 2 दिनों से विद्युत कर्मियों के कार्य बहिष्कार से ग्रामीण से लेकर शहर तक बिजली पानी के लिए लोगों में हाहाकार मचा है जिसको लेकर मंगलवार की दोपहर अबूसामोड़ स्थित 132 एमवीए पावर हाउस फूलपुर विधायक प्रवीण सिंह पटेल अपने कुछ समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए। तबतक एसडीएम फूलपुर विवेक चतुर्वेदी व इंस्पेक्टर सरायइनायत संजय कुमार द्विवेदी भी पहुँच गए पावर हाऊस के गेट पर लगे ताला को तोड़कर लोग अंदर घुसे और एक प्राइवेट विद्युत कर्मी से हनुमानगंज, अंदावां, सहसों, झूँसी फीडरों की विद्युत आपूर्ति बहाल कराई। तब जाके लोगों ने राहत की सांस ली। इस दौरान, शोभनारायण दुबे, डब्बू, संदीप कुमार दुबे, आशीष जायसवाल धर्मेंद्र जायसवाल बबलू सिंह टीएन सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

विद्युत आपूर्ति बहाल कराने पहुंचे विधायक प्रवीण पटेल व समर्थक

ग्राम प्रधान बरसैता के खिलाफ नरेगा मजदूरों ने भरी हुंकार

सिरसा। मंगलवार को ग्राम सभा बरसैता के नरेगा मजदूरों ने ग्राम प्रधान छक्कू पाल द्वारा नरेगा मजदूरों से ड्यूटी कराने के बाद भी हाजिरी न लगाने और समय से भुगतान ना होने को लेकर मेजा तहसील दिवस प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। नरेगा मजदूरों का कहना है कि इसकी शिकायत संपूर्ण समाधान दिवस तहसील प्रभारी को पहले भी किया गया था। शिकायत करने की रंजिश को लेकर उपरोक्त प्रधान ने मजदूरों से कार्य कराना ही बंद कर दिया है । जिससे नरेगा मजदूरों के समक्ष आर्थिक समस्या उत्पन्न हो गई है। मजदूरों का आरोप है कि प्रधान हम सबको गांव से भी भगाने की धमकी दे रहा है। नरेगा मजदूरों ने एसडीएम से अतिशीघ्र प्रधान के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए मजदूरों की ड्यूटी लगाने व भुगतान समय से कराने की मांग की। महिला मजदूरों ने कहा कि काम बंद होने से हम सब भुखमरी के कगार पर आ गये हैं, और मेरे बाल बच्चे भूखे मरने को विवश हैं। इतना ही नहीं ग्राम प्रधान छक्कू पाल नरेगा में फर्जी नाम डालकर रुपया निकाल रहा है। मजदूरों ने एसडीएम से कहा कि खंड विकास अधिकारी मेजा को आदेश दें कि नियमानुसार कार्यवाही करते हुए मजदूरों का कार्य नियमित रूप से कराने व भुगतान करने की कृपा करें।

एसडीएम को ज्ञापन देने पहुंची महिलाएं

प्रयागराज हलचल

प्रयागराज बुधवार, 7 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

हेलमेट एवं सीटबेल्ट का प्रयोग न करने वालो के विरूद्ध चलाया गया सघन अभिया 710 लोगों का किया गया चालान

प्रयागराज। सीट बेल्ट, हेलमेट को लेकर मंगलवार कोशहर भर में सघन अभियान चलाया गया। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि शासन की मंशानुरूप द्वितीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के प्रति जागरूकता लाने एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से आयोजित द्वितीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत जनपद के प्रमुख चैराहों, मार्गों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीटबेल्ट के प्रयोग किये जाने हेतु अभियान चलाया गया। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रथम सुश्री अल्का शुक्ला, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वितीय श्री भूपेश कुमार गुप्त, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) तृतीय श्री सुरेश कुमार मौर्य, यात्रीकर अधिकारी श्री सुरेन्द्र कुमार एवं यात्रीकर अधिकारी श्री विक्रान्त सिंह द्वारा सुभाष चैराहा, सिविल लाइन में हेलमेट/सीटबेल्ट का प्रयोग न करने वाले को गाँधीगीरि के माध्यम से गुलाब का फूल देकर यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया। यात्रीकर अधिकारी श्री सुरेन्द्र सिंह एवं विक्रान्त सिंह द्वारा जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में फूल देकर एवं पम्पलेट देकर यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया।

बिजली पानी को लेकर सड़क पर उतरे लोग

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल से बिजली पानी को तरसे लोग

प्रयागराज। बिजली ना आने की वजह से शहरवासियों तथा गांव की व्यवस्था चरमरा गई चारों तरफ हाहाकार मच गया। एक तरफ जहां निजी करण को लेकर बिजली कर्मचारी उन्हें पूरा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को ठप कर दिया वहीं दूसरी तरफ बिजली ना आने की वजह से शहर और गांव केलोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया' शहर के विभिन्न इलाको तेलियरगंज, पुलिस बूथ कीडगंज, अलोपी बाग फोर्ट रोड चौराहे पर लोगों ने चक्का जाम कर दिया ' बिजली ना आने की वजह से पानी की भी समस्याएं जबरदस्त रहे। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के प्रस्ताव के खिलाफ सोमवार से बिजली कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर दिया है। इसका असर यह है कि शहर में बिजली को लेकर हाहाकार मचा है। तमाम छोटे-बड़े इलाकों में बिजली न आने से घरों में पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित है। बिजली कटौती से आक्रोशित लोगों ने देर रात के बाद मंगलवार की सुबह सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। उपकेंद्रों का घेराव व रास्ताजाम भी हो रहा है।

बिजली पानी की समस्या को लेकर सडक जाम करते लोग

व्यवस्था संभालने में पुलिस को मशक्कत भी करनी पड़ रही है। प्रशासनिक अधिकारी आपूर्ति बहाल करने का प्रयास कर रहे हैं।

मंगलवार की सुबह झूंसी बिजली उपकेंद्र में कर्मचारियों ने ताला लगा दिया। क्षेत्र में बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। वहीं शहर के तेलियरगंज में सोमवार से बिजली की समस्या झेल रहे लोगों का आक्रोश सड़क पर उतरा। मंगलवार की सुबह मुहल्ले के लोगों ने रास्ताजाम कर दिया है। लखनऊ और प्रतापगढ़, फैजाबाद के लिए प्रयागराज से यह प्रमुख मार्ग है। इसलिए काफी दूर तक वाहनों की लंबी लाइन लग गई है। बेनीगंज, भावापुर के कई इलाकों में सुबह से बिजली गुल है। इससे बीएसएनएल के टावर से नेटवर्क भी बाधित है। तो वहीं मीरापुर क्षेत्र में सोमवार की शाम से बिजली नहीं है। पुलिस बूथ कीडगंज बिजली समस्या को लेकर हुआ चक्का जाम । अलोपी बाग फोर्ट रोड चौराहे पर चक्का जामकिया गया ।वही झूंसी में भी बिजली कटौती को लेकर दोपहर में लोगों ने रास्ताजाम कर दिया।

"पारदर्शी कराधान - ईमानदार का सम्मान ": डॉ पवन जायसवाल केंद्रीय प्रत्यक्ष कर मूल्यांकन सलाहकार

प्रयागराज। भ्रष्टाचार को कम करने और आयकर विभाग के कार्यों में दक्षता लाने के लिए पारदर्शी कराधान ईमानदार का सम्मान योजना का शुभारंभ आने वाले समय के लिए क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगा। करदाता देश के विकास की रीढ़ हैं। ऐसे में उनके पक्ष में किए गए कर सुधार स्वागत योग्य है। यह प्लेटफार्म करदाताओं के लिए जितना सरल एवं सुविधाजनक होगा उतना ही विकास को गति मिलेगी। करदाताओं को निश्चित समय सीमा एवम करदाता चार्टर के तहत सेवा प्रदान करना एवं उनकी समस्याओं का अति शीघ्र समाधान प्रस्तुत करना करदाता के विश्वाश का आधार बनेगा।

फेसलेस एसेसमेंट, इलेक्ट्रॉनिक अपील, डायनमिक (परिवर्तनशील)

डॉ पवन जायसवाल

जूरिडिक्शन से करदाता को एक तरफ विभाग के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली है, वही किसी भी प्रकार के दबाव बना कर करदाता को परेशान करने की आदत पर भी अब भरपूर लगाम लगेगी।

अब टीडीएस/टीसीएस एवं अन्वेषण के मामलों में आयकर अधिनियम की धारा 133 अ (sec 133 अ) के अंतर्गत सर्वे करना दूर की कौड़ी हो गई है। पहले बात - बात में अधिकारी इस धारा में नोटिस भेजकर जानकारी करदाता से लेने के लिए दबाव डालते थे। किंतु अब टीडीएस मामलों में प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त या मुख्य आयकर आयुक्त (टीडीएस) से तथा अन्वेषण मामलों में महानिदेशक जांच से बिना अनुमति लिए धारा 133 ए में नोटिस नहीं भेजी जा सकती। वास्तव में यह कदम अभी तक के कर सुधारों हेतु लिया गया बड़ा एवं अच्छा निर्णय साबित होगा । इससे करदाता की संख्या में बढ़ोतरी के साथ साथ आयकर विभाग के प्रति लोगों का अभूतपूर्व विश्वास भी बढ़ेगा।

बिजली पानी के लिए हाहाकार लगाया सड़क पर जाम

नैनी। बीते कई घंटों से नैनी व औद्योगिक क्षेत्र समेत कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप होने से लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ा। वहीं बिजली बहाली को लेकर नैनी के पीडीए तिराहे के समीप लोगों ने जमकर नारेबाजी करते हुए दो बार सड़क पर जाम कर दिए। हालांकि पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। तब कहीं जाकर बाधित यातायात बहाल हो पाया।

बता दें कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निगम लिमिटेड के निजीकरण के विरोध में बीते कई दिनों से बिजली विभाग से संबंधित विद्युत संयुक्त मोर्चा द्वारा विरोध प्रदर्शन जारी था। सोमवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर विद्युत कर्मी व अधिकारियों के चले जाने से नैनी व औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित समस्त विद्युत उपकेंद्र से जुड़े क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बीते 24 घंटे बीत जाने के बाद भी बिजली आपूर्ति को बहाल नहीं किया जा सका। नतीजा लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित पीडीए तिराहे के समीप सुबह व शाम को दो बार चक्का जाम कर भारी आक्रोश व्यक्त कर विरोध प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं सोमवार रात से लेकर मंगलवार देर शाम तक कई पावर हाउस पर भी लोग पहुंचकर आक्रोश जताया। सूत्रों पर यदि यकीन करें तो बिजली विभाग से संबंधित कर्मचारी समस्त उपकेंद्र से जुड़े फीडरों में तकनीकी खराबी कर हड़ताल पर चले गए। जिससे लोगों को बिजली नसीब नहीं हो पा रही है। वहीं उप जिलाधिकारी आकांक्षा राणा मंगलवार सुबह से कई विद्युत उकेंद्रों का दौरा कर हाल जाना। फिर भी बिजली आपूर्ति को बहाल नहीं कराया जा सका। बिजली आपूर्ति बहाल न होने से लोगों को जहां बिजली के लिए परेशान होना पड़ा वहीं दिन भर पानी के तरसना पड़ा।

बिजली बहाली को लेकर टीएसएल विद्युत उप केंद्र के समीप सड़क जाम करते आक्रोशित लोग

ब्लॉक, बूथ स्तर तक कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में जुटे कांग्रेसी

प्रयागराज। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने में जुट गए हैं। गंगा पार जिला अध्यक्ष रामकिशुनसिंह पटेल ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता पहले भी सक्रिय थे परंतु उत्तर प्रदेश में कई वर्षों से कांग्रेश पार्टी सत्तासीन नहीं है इसलिए कार्यकताओं को बहला फुसला लिया गया पर आज के समय में सारे कार्यकर्ता कांग्रेश पार्टी के तरफ रुख कर लिया है उनको शहीद नेतृत्व की जरूरत है। हम सभी कांग्रेश के सिपाही उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाये जा रहें संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी निष्ठा पूर्वक मजबूत करने में लग गए हैं। अब कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में नौजवान व्यापारी मजदूर सभी वर्ग सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। आपको बताते चलें कि गंगापार में पूरे 11 ब्लॉक अध्यक्षों के चयन प्रक्रिया को आगे बढाने के लिए जिला अध्यक्ष रामकिशुन पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कार्यालय पर बैठक करके समस्त जिला महासचिवों को निर्देश दिया गया कि अपने प्रभार वालें विधानसभा में नियुक्त ब्लॉक प्रभारियों के माध्यम से ब्लॉक में ऊजावान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सूची अतिशीघ्र उपलब्ध कराएं ताकि ब्लॉक अध्यक्षों का चयन होकर सभी कमेटियों का गठन हो सकें । प्रवक्ता डॉ अजय प्रकाश सरोज के अनुसार जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी लगातार ब्लॉक में बैठकें करके वरिष्ट नेताओं के सुझाव व सहमति से ऊजावान कांग्रेस कार्यकताओं की सूची बना रहे हैं , माह के अंत तक ब्लॉक कमेटियों का गठन हो जाएगा । कमेटी में 25 प्रतिशत नये कार्यकताओं को जगह देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि संगठन में सभी समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित कर पार्टी को ग्राम स्तर पर मजबूत बनाया जा सकें ।

योग को नई शिक्षा नीति में जोड़ने से बच्चों का होगा विकासः योगाचार्य

प्रयागराज। अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के जिला कोआर्डिनेटर योगाचार्य प्रशांत तिवारी ने नई शिक्षा नीति में सुझाव देते हुए कहा कि नई शिक्षा प्रणाली में योग को स्थाई विषय का रूप देकर योग के प्रशिक्षित आचार्यों द्वारा उसका शिक्षण देने काप्रारूप प्रणाली में जोड़ा जाए। इससे योग शिक्षा का सही ज्ञान उसका सही रूप विद्यार्थियों तक पहुँचेगा व छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास होगा। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, अपितु विज्ञान का सबसे उत्तम विषय है जो न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक, समाजिक और आध्यात्मिक स्तर भी कार्य करता है। योग अपने आपको जानने के साथ हमें अपने समस्त शक्तियों से वैज्ञानिक तरीकों से परिचित कराता है। जिसे समझते हुए 2014 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों द्वारा संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में महज 90 दिन के अंदर 170 देशों द्वारा मंजूरी मिल गई थी। इसी विकास को देखते हुए भारत के प्रत्येक विद्यालयों में भी योग शिक्षा पर बल देने का प्रयास किया जा रहा है। योगाचार्य का कहना है कि बाल्यकाल जीवन में बच्चों का मन कच्ची मिट्टी की तरह होता है, जिसे सुगमता के साथ कोई भी आकार दिया जा सकता है। वर्तमान काल में यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ उसके प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास पर ध्यान दिया जाए।

उमरे प्रयागराज मंडल का गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन हुआ हाईटेक

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल का गोविंदपुरी स्टेशन एकमात्र ऐसा स्टेशन है, जहां सभी कर्मचारी महिला हैं। इन महिला कर्मचारियों ने दिखा दिया है कि वे भी किसी से पीछे नहीं हैं। गोविंदपुरी स्टेशन पर कुल तीन प्लेटफॉर्म हैं और तीनों पर कुल 70 कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड लग गए हैं।

उक्त जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी केशव त्रिपाठी ने देते हुए बताया कि इसके अलावा दो ऐट-ए-ग्लांस डिस्प्ले बोर्ड तथा एक सिंगल लाइन का दोतरफा डिस्प्ले बोर्ड लगा है। जिससे यात्रियों को ट्रेन किस प्लेटफॉर्म पर आएगी की जानकारी प्राप्त होती है। इसके साथ ही स्पीकर द्वारा उद्घोषणा करके भी ट्रेन के आगमन-प्रस्थान की जानकारी मिलती है। यह दोनों कार्य साथ-साथ होते हैं। यात्रियों की सुविधाओं के लिए लगाए गए इन सभी उपकरणों का रखरखाव गोविन्दपुरी स्टेशन के दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। यहां संकेत एवं दूरसंचार विभाग ने इस माह लोको अस्पताल, कानपुर में डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए वाई-फाई की सुविधा प्रदान करना एवं अस्पताल में सुरक्षा को और अधिक चुस्त-दुरुस्त करने के लिए एकीकृत सीसीटीवी मॉनिटरिंग की सुविधा प्रदान किया है। प्रयागराज मंडल यात्रियो की सुविधा एवं कोरोना संक्रमण से अन्य यात्रियों को बचाने के लिए प्रयागराज, कानपुर, टुंडला, अलीगढ़, इटावा, मिर्जापुर आदि स्टेशनों पर थर्मल स्कैनर कैमरा लगाया गया है। इससे स्टेशन के अंदर प्रवेश करने वाले सभी यात्रियों का तापमान का पता चल जायेगा। जिस यात्री का तापमान ज्यादा होगा उसका स्टेशन परिसर मे प्रवेश वर्जित कर दिया जायेगा। मंडल कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु ऐसा ही एक कैमरा प्रयागराज मंडल कार्यालय के प्रवेश द्वार पर भी लगाया गया है।

प्रवक्ता प्लास्टिक मोल्ड टेक्नालॉजी का परिणाम घोषित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज ने प्राविधिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रवक्ता प्लास्टिक मोल्ड टेक्नालॉजी के तीन पदों का परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिया है। आयोग के उप सचिव लखन लाल शिवहरे ने बताया है कि विज्ञापन संख्या 1/2014-15 विभाग सं. एस 12/26 द्वारा विज्ञापित उक्त तीन पदों पर सीधी भर्ती के लिए चयन हेतु आयोग द्वारा 30 सितम्बर 2020 को आयोजित साक्षात्कार के आधार पर पंकज श्रीवास्तव, सुनील कुमार साहू एवं मनोज कुमार को नियुक्ति हेतु संस्तुत किया गया है।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

ट्रिपल सी की परीक्षा में धांधली करने वाले गिरोह के सरगना समेत चौदह गिरफ्तार

प्रयागराज। ट्रिपल सी की आनलाइन परीक्षा में धांधली करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए मंगलवार को एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई ने गिरोह के सरगना समेत 14 साल्वरों को नैनी कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने 26 कम्प्यूटर और दो लाख आठ हजार छह सौ तीस रूपया एवं अन्य दस्तावेज बरामद किया है।

उक्त जानकारी अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नीरज कुमार पाण्डेय ने बताया कि पकड़े गए गिरोह के सरगना जार्जटाउन थाना क्षेत्र के टैगोर टाउन निवासी अशोक कुमार नौटियाल पुत्र प्रकाश चन्द्र नौटियाल है। यह चन्द्रकला यूनिवर्सल प्राइवेट लिमिटेड का मैनेजर है। इसके साथ ही साल्वर के रूप में शास्वत केसरवानी निवासी काशीराजनगर, बलुआघाट, थाना मुठ्ठीगंज, सुनील कुमार दुबे निवासी उमरपुर नीवां, थाना धूमनगंज, सुधांशू गुप्ता निवासी साउथ मलाका, थाना कोतवाली प्रयागराज, मनीष चन्द्र पाण्डेय निवासी लूकरगंज, थाना खुल्दाबाद, अमित शंकर पाण्डेय निवासी लखरांव, थाना भेलूपुर, जनपद वाराणसी हालपता रामजानकी मन्दिर, त्रिवेणी बांध दारागंज, प्रियांक मिश्रा निवासी चक दाऊद, थाना नैनी, आनन्द कुशवाहा निवासी म्योर रोड, निकट आनन्द हास्पिटल, थाना कर्नलगंज, अभिषेक खेर निवासी राधाकुंज कालिन्दीपुरम, धूमनगंज, मुकेश तिवारी निवासी बकसुन्दा, थाना मेजा, वैभव श्रीवास्तव निवासी ए.डी.ए. कालोनी थाना नैनी, हर्षवर्धन निवासी ऊदपुर घाटमपुर नेवादा मुकालिसपुर,थाना बदलापुर, जनपद जौनपुर, इरशाद न्यू आबादी चकिया, थाना खुल्दाबाद, सन्दीप तिवारी निवासी प्रीतमनगर थाना धूमनगंज है। टीम ने उक्त गिरोह के कब्जे से 14 मोबाइल, 8 आधार कार्ड, 2 ड्राइविंग लाईसेंन्स, 26 कम्प्यूटर, 26 सीपीयू, 26 माउस, 14 एडमिट कार्ड, 4 पेंजों में 150 अभ्यार्थियों के पूर्ण विवरण की सूचनी और दो लाख आठ अजार छह सौ तीस रूपया बरामद किया है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिक संस्थान द्वारा आयोजित ट्रिपल सी(कोर्स ऑन कम्प्यूटर कान्सेप्ट) की आनलाइन परीक्षा में अनियमितता कराने एवं अभ्यार्थियों से अवैध आर्थिक लाभ प्राप्त करने वाले गिरोह के सक्रिय होने की सूचनाएं मिल रही थी। मामले को गम्भीरता से देखते हुए एसटीएफ की इकाइयों को सक्रिय कर दिया गया। अभियान के तहत प्रयागराज फील्ड इकाई निरीक्षक के.सी.राय व अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व को टीम को लगाया गया। मुखबिर की सूचना पर 5 अक्टूबर को उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह एवं उनके अन्य सहयोगी चन्द्रकला यूनिवर्सल प्राइवेट लिमिटेड औद्योगिक क्षेत्र नैनी के परीक्षा केन्द्र पर हो रही आनलाइन परीक्षा में नकल जारी है। टीम ने मौके पर जाकर उक्त लोगों को गिरफ्तार किया। पूंछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि एमी एडमिन वी 3.6 साफ्ट के जरिए मेन एडमिन कम्प्यूटर से सभी अभ्यार्थियों के कम्प्यूटर सिस्टम को कनेक्ट कर साल्वरों के जरिये प्रश्न पत्रों को हल कराया कराया दो अभ्यार्थियों के बीच में एक साल्वर बैठाया जाता है। गिरोह के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज करके जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की गिरफ्त में गिरोह के सदस्य व बरामद सामान

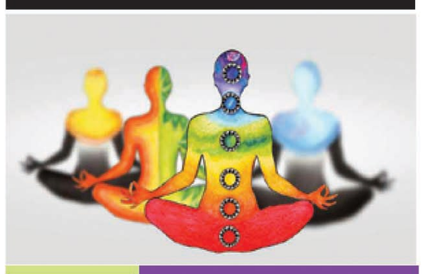

प्रयागराज बुधवार, 7 अक्टूबर, 2020

क्रियायोग सन्देश

हे भारत ! मैं वहीं आऊंगा....

श्री श्री परमहंस योगानंद धार्मिक उदारता वादियों के अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन के कुछ प्रतिनिधियों के साथ 6 अक्टूबर 1920

यूनिटेरियन चर्च द्वारा आयोजित 1920 ईस्वी में बास्टन स्थित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय धर्म संसद के महाअधिवेशन में विष्णु अवतार श्री श्री परमहंस योगानंद जी के द्वारा 6 अक्टूबर को धर्म विज्ञान पर प्रथम व्याख्यान दिया गया । इसके पश्चात 32 वर्षों तक श्री श्री परमहंस योगानंद जी अमेरिका में क्रियायोग द्वारा एक अहिंसात्मक आध्यात्मिक आंदोलन को उसी तरह गति प्रदान किए जिस तरह सदियों पूर्व प्रभु ईसा मसीह ने पश्चिम देशों में किया था। व सहस्त्राब्दियों पूर्व पावन आध्यात्मिक भारत भूमि पर भगवान श्री राम भगवान श्री कृष्ण गौतम बुद्ध ने किया और उसी आध्यात्मिक ज्ञान को वर्तमान में योगा अवतार श्री श्री लाहिड़ी महाशय व आध्यात्मिक राजनीतिक संत महात्मा गांधी ने किया।

अपना समस्त कार्य पूर्ण करने के पश्चात श्री श्री परमहंस योगानंद जी बिल्टमोर होटल, लॉस एंजीलिस में आयोजित प्रीतिभोज के अवसर पर 7 मार्च 1952 को 50 देशों के दूतावास के राजदूत व अन्य पदाधिकारियों के सम्मुख ईश्वर और भारत पर अपना अमर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए महा समाधि में प्रवेश किए। इसके पश्चात पूरा कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया और भारतीय राजदूत श्री विनय रंजन सेन जी ने श्री श्री परमहंस योगानंद जी को मानव जाति के सच्चे राजदूत के रूप में संबोधित करते हुए अपने आत्म भाव को इस प्रकार व्यक्त किया :" जो राजयोग की सच्ची शिक्षा द्वारा पूरे विश्व को एक सूत्र में बांधता है वही सच्चा राजदूत है। " क्रियायोग ध्यान जो राजयोग की मूल विद्या है, का प्रभाव महा समाधि के पश्चात श्री श्री परमहंस योगानंद जी के पूरे शरीर पर स्पष्ट दिखाई पड़ा। श्री श्री परमहंस योगानंद जी के परिवार के सदस्यों के इंतजार में उनके महासमाधि के अलौकिक स्वरूप का दृश्य - शरीर मंदिर को 20 दिनों तक रखना पड़ा। श्री श्री परमहंस योगानंद जी की शरीर सामान्य तापक्रम पर रखी हुई थी तथा त्वचा पर किसी भी प्रकार की क्रीम आदि का लेप नहीं हुआ था। 20 दिनों के पश्चात भी श्री श्री परमहंस योगानंद जी की शरीर में किसी प्रकार की सिकुड़न, दुर्गंध आदि नहीं प्रकट हुई।

शरीर बैक्टीरिया के विघटनकारी प्रभाव से पूरी तरह मुक्त रही। उनके चेहरे की आध्यात्मिक मुस्कान और खूबसूरत अंगुलियों द्वारा व्यक्त मुद्राएं उसी प्रकार बनी रही, जैसे शरीर छोड़ने के प्रथम दिन थी। महा समाज के ठीक पूर्व अपने दिए गए बहुमूल्य संदेश के अंतिम पंक्तियों में श्री श्री परमहंस योगानंद जी ने उद्घोष किया था कि हे भारत ! मैं अमरता की शिक्षा देने के लिए पुनः वहीं आ रहा हूं।

बिल्टमोर होटल, लॉस एंजेलिस मैं प्रीतिभोज के अवसर पर, 7 मार्च , 1952

O India, I will be there!

On 6th October 1920, Sri Sri Paramahansa Yogananda gave a message of True Religion, to all people of the world, at the International Congress of Religious Liberals, organised at Unitarian Church in Boston . For the next 32 years, Paramahansa Yogananda worked tirelessly to promote a Universal Worldwide Religious movement of non-violence in the name of Kriyayoga. This essential movement was in the same manner as that of Buddha and Jesus Christ. Before them, similar movements also took place on the Holy Spiritual soil of Mother India by Lord Ram, Yogeshwar Krishna, Kabir saheb, Nanak Dev ji and other Prophets of all ages and lands.

Likewise, more recently, similar movements were initiated by Yogavatar Shri Lahiri Mahasaya in 1861and Gyanavatar Shree Yukteshwer ji and in the 20th century by the great spiritual political saint and Father of the Nation - an embodiment of Peace and Non-violence - Mahatma Gandhi, and by Premavatar (Incarnation of Love), Paramahansa Yogananda.

After the completion of his mission, on 7th March 1952, at Biltmore Hotel in Los Angeles, Paramahansa Yogananda entered into Mahasamadhi (conscious departure from the body), after delivering a spiritual message on God and India. The congregation present at the occasion comprised of ambassadors from 50 nations, the Consul General and Ambassador of Republic of India to America, Shri Binay Ranjan Sen, as well as many disciples of Paramahansa Yogananda. The event was immediately suspended.

Shri Binay Ranjan Sen said in reference to Shri Paramahansa Yogananda: " If we had a man like Paramahansa Yogananda in the United Nations today, probably the world would be a better place then it is. To my knowledge, no one has worked more, has given more of himself, to bind the people of India and America together... "

The science of Kriyayoga is popularly known as Rajayoga, and it's effect was clearly visible on the physical structure of Paramahansa Yogananda. His body temple was kept under normal room temperature for 20 days without application of any emulsions to prevent outward appearance of mold, while awaiting the arrival of relatives from India. During this period, there were no visible signs of decay, or mold, nor any visible dessication of bodily tissues, nor any bodily odour. The body remained free from any disruptive effects of any bacteria. The same beatific spiritual smile remained on the face of Paramahansa Yogananda 20 days after, as it was on the day of depar ture.?

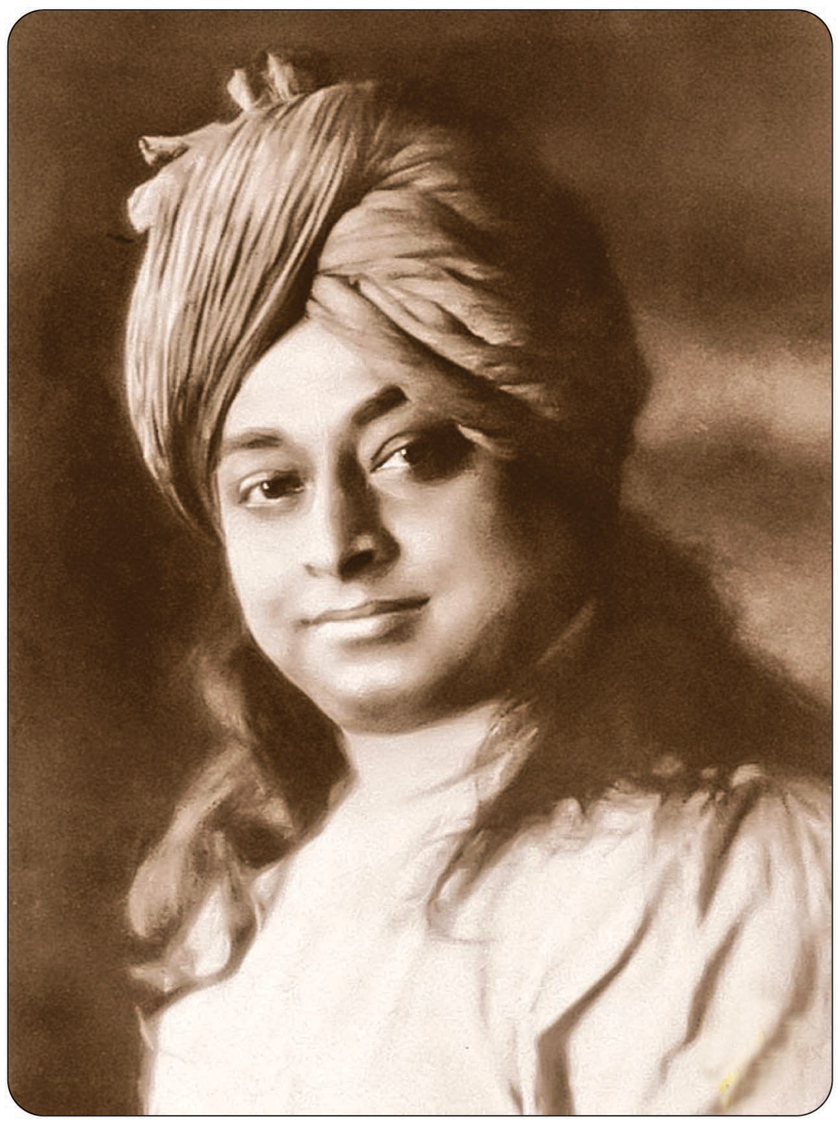

Just before his Mahasamadhi, Yogananda ji had declared in his final words: to teach the science of Immortality; “O India, I will be there!”.